केन्सर क्या है?

सी.बी.सी.सी. – यू.एस.ए. से प्राप्त पायनिरिंग अनुदान से
इस उपयोगी सामग्री को आंशिक रूप से तैयार करना संभव हुआ है।

केन्सर केवल एक रोग नहीं है।

केन्सर अनेक प्रकार के होते हैं। यह केवल एक ही रोग नहीं है। केन्सर शरीर के कई अलग-अलग भागों में शुरू हो सकता है। यह फेफड़ों, स्तन, बड़ी आंत या खून में भी हो सकता है। केन्सर, कुछ मायनों में एक समान होते हैं किन्तु हर प्रकार का केन्सर उसकी वृद्धि और (शरीर में) फैलाव में भिन्न होता है।

केन्सर किस तरह से एक समान होते हैं?

हमारे शरीर की सभी कोशिकाओं को कुछ विशिष्ट काम करने होते हैं। सामान्य कोशिकाएं साधारण तरीके से विभक्त होती हैं। वे पुरानी या चोटिल होने पर स्वतः ही समाप्त हो जाती हैं, और तत्पश्चात नई स्वस्थ कोशिकाएं उनका स्थान ले लेती हैं। केन्सर एक ऐसा रोग है जिसमें कोशिकाएं अनियंत्रित रूप में बढ़ने लगती हैं। केन्सर की कोशिकाएं लगातार बड़ती रहती हैं और नई कोशिकाएं बनाती रहती हैं। ये फैलाव ले साधारण कोशिकाओं को हटा देती हैं। इसके कारण शरीर के उस अंग में समस्याएँ होने लग जाती हैं जहां केन्सर रोग प्रारंभ हुआ है।

India Cancer Initiative

Distributed by

American Cancer Society®

केन्सर की कोशिकाएं शरीर के अन्य अंगों में भी फैल सकती हैं। उदाहरण के लिए फेफड़े के केन्सर की कोशिकाएं हड्डियों तक पहुंच जाती हैं और वहां बढ़ने लगती हैं। केन्सर कोशिकाओं के शरीर के अन्य भागों में फैलने को मेटास्टेटिस (metastasis -muh-TAS-tuh-sis) कहते हैं। यदि जब फेफड़े का केन्सर हड्डियों में फैलता है तब भी उसे फेफड़े का केन्सर ही कहा जाता है क्योंकि यह फेफड़े से शुरू हुआ था। इसे हड्डी का केन्सर नहीं कहा जा सकता है जब तक की यह हड्डियों में ही शुरू नहीं हुआ हो। कुछ बार केन्सर उपचार के बाद फिर से (या वापस) हो जाते हैं, अधिकांश उसी अंग में जहां वे शुरू होते हैं, परन्तु कुछ बार उस अंग से एक दूसरे अंग में भी, जैसे फेफड़ों, जिगर, मस्तिष्क या हड्डी में।

केन्सर किस तरह से एक दूसरे से अलग होते हैं?

कुछ केन्सर बहुत तेजी से बढ़ते और फैलते हैं। अन्य दूसरे अपेक्षाकृत धीमी गति से बढ़ते हैं। केन्सरों की उपचार के प्रति भी अलग-अलग प्रतिक्रियाएं होती हैं। कुछ केन्सर सर्जरी या विकिरण थैरेपी द्वारा सबसे अच्छे तरीके से उपचारित किये जाते हैं। अन्य केन्सर दवाईयां- जिन्हें कीमोथैरेपी (key-Mo-THER-uh-pee) कहते हैं, से अधिक अच्छी तरह से उपचारित होते हैं। प्राय: सबसे अच्छा परिणाम प्राप्त करने हेतु दो या अधिक तरह के उपचारों को उपयोग में लाया जाता है।

जब किसी व्यक्ति को केन्सर होता है तो डाक्टर यह पता लगाने का प्रयास करते हैं कि यह किस प्रकार का केन्सर है। केन्सरग्रस्त लोगों को उसी उपचार की आवश्यकता होती है जो उनके वाले केन्सर पर केन्द्रित हो।

ट्यूमर क्या होते हैं?

ज्यादातर केन्सर एक गांठ (लम्प) बनाते हैं जिसे डाक्टर एक ट्यूमर या एक ग्रोथ कहते हैं। सभी ट्यूमर (लम्प) केन्सर नहीं होते हैं। डाक्टरों को गांठ एक टुकड़ा निकालना होता है और इसकी जांच यह पता करने के लिए होती है कि क्या यह केन्सर है। वो गांठें (लम्प) जो केन्सर नहीं होती उन्हें बी-नाइन (be-NINE) कहते हैं। वो गांठे (लम्प) जो केन्सर होती हैं उन्हें मेलिग्नेन्ट (muh-LIG-unt) कहते हैं।

कुछ अन्य प्रकारों के केन्सर भी होते हैं, जैसे ल्यूकिमिया (रक्त का केन्सर) जो ट्यूमर नहीं बनाते हैं। यह रक्त में या शरीर की अन्य कोशिकाओं में उत्पन्न होते हैं।

आपका केन्सर किस अवस्था में है?

डाक्टर को यह जानने की भी आवश्यकता होती है कि क्या केन्सर जहां से उत्पन्न हुआ था उस स्थान से शरीर के अन्य अंगों में भी फैल गया है। यदि ऐसा है तो उसके लिए यह जानना आवश्यक होता है कि यह कितना फैल चुका है। जब डाक्टर को इसका पता लग जाता है तब वह कि आपके केन्सर की अवस्था बता सकता है।

प्रत्येक तरह के केन्सर में ऐसी जांचें उपलब्ध हैं जिनको कर सकने से केन्सर की अवस्था का पता लगाया जा सकता है। नियमानुसार एक प्रारंभिक (निचली) अवस्था (जैसे पहली या दूसरी अवस्था) का अर्थ है कि केन्सर अधिक नहीं फैला है। एक बढ़ी हुई (उच्च) अवस्था (जैसे तीसरी या चौथी

अवस्था) का अर्थ है कि केन्सर ज्यादा फैल गया है। अपने डाक्टर से अपने केन्सर की अवस्था के बारे में विस्तार से उन शब्दों में जानें जिनका अर्थ आप समझ सकें।

केन्सर का उपचार कैसे होता है?

केन्सर के सबसे सामान्य उपचार सर्जरी, कीमोथैरेपी तथा विकिरण (रे-डि-ए-श-न) होते हैं। सर्जरी का उपयोग केन्सर को उपचारित करने के लिए तब किया जाता है जब वह शरीर के उस अंग तक ही सीमित होता है जहां से वह शुरू हुआ था। सर्जन केन्सर से प्रभावित उस अंग के एक भाग या पूरे अंग को ही निकाल देना पड सकता हैं। स्तन के केन्सर के मामले में स्तन का एक भाग (या पूरे स्तन को) निकाल दिया जाता है। प्रोस्टेट केन्सर में प्रोस्टेट ग्रंथि को भी निकाला जा सकता है। परन्तु सर्जरी का उपयोग हर तरह के केन्सर में नहीं किया जाता है।

कीमो (कीमोथैरेपी का संक्षिप्त नाम) में दवाइयों का उपयोग केन्सर कोशिकाओं को मारने के लिए या इनकी बढ़ती हुई संख्या को कम करने के लिए किया जाता है। कुछ कीमो दवाओं को एक शिरा (vein) में ड्रिप (intravenously) या एक 'शाट' रूप में दिया जाता है, और कुछ अन्य को एक गोली या तरल पदार्थ के रूप में मुहं से दिया जाता है। क्योंकि कीमो दवाइयों की पहुंच शरीर के लगभग सभी अंगों तक होती है, ये उन केन्सदरों में विशेष रूप से उपयोगी होती हैं जो कि फैल गए होते हैं।

विकिरण (रेडिएशन) उपचार का उपयोग केन्सर की कोशिकाओं को मारने या इनकी वृद्धि को धीमा करने के लिए किया जाता है। इसका उपयोग अकेले या सर्जरी अथवा कीमो के साथ भी किया जा सकता है। विकिरण (रेडिएशन) उपचार एक एक्सरे करने के समान होता है। या कुछ बार इसे "विकिरणयुक्त सीडों" के द्वारा प्रभावित अंग के रोगग्रस्त भाग के अंदर रखकर भी दिया सकता है ताकि वे विकिरण को सीधे ट्यूमर के अंदर पहुंचा दें ।

मेरे लिए कौन सा उपचार सबसे अच्छा है?

आपका केन्सर उपचार इस तथ्य पर निर्भर करेगा कि आपके लिए सबसे अच्छा उपचार कौन-सा है। कुछ केन्सर सर्जरी से बेहतर तरीके से प्रभावित होते हैं। अन्य केन्सर कीमोथैरेपी या अन्य उपचारों से अधिक अच्छे से प्रभावित होते हैं। कुछ अन्य केन्सर कीमो और सर्जरी, या कीमो और विकिरण से सबसे अच्छे से उपचारित होते हैं। अपने केन्सर के प्रकार को जानना यह जानने की दिशा में पहला कदम होता है कि आपके केन्सर के लिए कौन से उपचार सबसे अधिक उपयोगी होंगे।

आपके केन्सर की अवस्था जानने से आपके डाक्टर को यह जानने में सहायता मिलेगी कि आपके लिए सबसे अच्छा उपचार कौन सा है। उदाहरण के लिए एक तीसरी या चौथी अवस्था के केन्सर उन उपचारों से बेहतर प्रतिक्रिया दिखाते हैं जो कि सारे शरीर को ठीक करने वाले होते हैं, जैसे कीमोथैरेपी।

आपका स्वास्थ्य और जिस उपचार को आप चुनते हैं वे भी यह निर्धारित करने का एक भाग होते हैं कि आपके लिए सबसे अच्छा उपचार कौन सा होगा। क्योंकि सभी प्रकार के उपचार आपके केन्सर पर काम नहीं करेंगे, अत: इस बार में आश्वस्त हो लें कि आप अपने सभी विकल्पों को जानते हैं। और क्योंकि उपचारों के प्रतिकूल प्रभाव भी होते हैं अत: इस बारे में भी आश्वस्त हो लें कि आपको प्रत्येक उपचार से क्या अपेक्षा करनी है।

©2010, American Cancer Society, Inc. No.011355
India Project

प्रश्नों को पुछने से डरे नहीं। यह जानने का आपको अधिकार है कि कौन से उपचार आपको सबसे अधिक सहायता दे सकेंगे और इनके प्रतिकूल प्रभाव क्या होंगे।

मेरे साथ यह क्यों हुआ है?

केन्सर का निदान होने के बाद उस व्यक्ति के सबसे सामान्य प्रश्नों में से एक होता है कि ‘‘मैंने क्या गलत काम किया है’’? या ‘‘मैं ही क्यों?’’ डाक्टरों को प्रत्येक केस में यह निश्चित रूप से पता नहीं लग पाए कि आपको केन्सर क्यों हुआ है। कई बार जब डाक्टर इसके कारण को पूरी स्पष्टता से नहीं बता पाते हैं तो तब कई लोग अपने स्वयं के अंदाजा लगाने लगते है कि उन्हें यह रोग क्यों हुआ है।

कुछ लोगों यह मानने लगते हैं कि उन्हें यह सजा किन्हीं कामों को करने अथवा कुछ नहीं कर पाने के कारण मिली है। कुछ लोग यह सोचते हैं कि अगर वे वह ही करते जिसे वे सही मानते थे तो उन्हें केन्सर नहीं होता। अधिकांश लोग ये आश्चर्य करते हैं कि स्वयं उन्हीं ने किसी तरह से अपने आप को केन्सर दे दिया है।

यदि आप में ऐसे भाव आ रहे हैं तो आप अकेले नहीं है। ये सभी विचार और मान्यताएं केन्सर से पीड़ित लोगों में सामान्यतया होती हैं। परन्तु, केन्सर आपके पूर्व कर्मों की सजा नहीं हैं। अपने को दोष देने से बचें और उन तरीकों की छानबीन न करें जिनसे आप किसी तरह से केन्सर होना रोक सकते थे।

केन्सर आपकी गलती नहीं है और यह जानने का कोई एक तरीका लगभग नहीं होता है कि यह किस कारण हुआ। इसके बजाए अब से अपनी अच्छी देखभाल करने पर स्वयं ध्यान दें।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वैबसाईट www.cancer.org का अवलोकन करें।

American Cancer Society® Global

cancer.org

CBCC COMPREHENSIVE BLOOD & CANCER CENTER *Outsmarting Cancer*

Creation of this material was made possible in part by a pioneering grant from CBCC-USA.